

रेवा ने दिये दर्शन, मुखड़े, बदल बदल के ॥२॥
काटी हैं सात हमने, कश्बट, बदल बदल के ॥२॥

① कश्बामर्द की कश्बा आकर के मुझपे कश्बी
तुम्हे देखने को मैया, अखियाँ जो मेरी तरसी ॥२॥
बड़ी कश्बामर्द में आया मैं ॥२॥ रस्ते बदल बदल के ॥२॥
काटी हैं ----- रेवा ने -----

② मैं धन्य हुआ मैया, श्री चरणों को जो पया ॥२॥
सब कुद मिला मैं मुझको, जब से शरण में आया ॥२॥
अब खो गया तुम्ही में मैं ॥२॥ खुद को बदल बदल के ॥२॥
काटी हैं ----- रेवा ने -----

③ दिया ज्ञान के कलशसे, अनमोल ज्ञान मुझको ॥२॥
ममता के द्वार खोले, अब क्या कहूँ मैं तुमको ॥२॥
तेरे प्यार में, मैं रोया, मैं ॥२॥ आंसू, बदल बदल के ॥२॥
काटी हैं ----- रेवा ने -----

④ इस निर्विकार पथ में, ईश्वर की शक्ति पाई ॥२॥
लगाता है सब विधि में, मैया है खुद समाई ॥२॥
देगी बहार तुमको, मैं ॥२॥ सुशियाँ, बदल बदल के ॥२॥
काटी हैं ----- रेवा ने -----

७) जिसे भी विधि मानी, देवा की शक्ति जानी
जग के हितार्थ में, फिर अपने दिल में ठानी ^{॥२॥}
तुम नाम अमर कर लो ^{॥३॥} सबको, बदल बदल के ^{॥२॥}
करि हैं - - - - - देवा ने - - - - -

८) मुझे पास में बुलाके, उपकार किया मैसा
पतवार भी तुम्ही हो, तुम ही तो, मैसा मैसा ^{॥२॥}
भवपार करो "श्री बाबा श्री" को, मैं भवपार, ^{॥२॥} ममता, बदल बदल के
करि हैं - - - - - देवा ने - - - - - ममता, बदल बदल के ^{॥२॥}